Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding increasing the salaries of Shiksha Mitras to bring them at par with the other teachers in Uttar Pradesh.

श्री मलूक नागर (बिजनौर): सर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे उत्तर प्रदेश के शिक्षा मित्रों के बारे में कहना है। वर्ष 2015 में इनकी तनख्वाह 38500 रुपये थी और वर्ष 2017 में कानूनी हस्तक्षेप और राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद इनको हटा दिया गया और फिर शिक्षा मित्र के नाते इनको लगाया गया। इनकी तनख्वाह केवल 10 हजार रुपये रखी गई। तब से अब तक अगर सरकार की बढ़ी हुई महंगाई माने तो भी वह कम से कम डबल बैठती है। दूसरे साथी जिस तरह से पढ़ाते हैं, ये भी उसी तरह से पढ़ाते हैं और उतना ही टाइम लगाते हैं। उनको 60 हजार रुपये से ज्यादा तनख्वाह मिलती है। आये दिन इनमें घटनाएं घटती रहती हैं, ये आत्महत्याएं करते रहते हैं और इनके घर में बहुत परेशानी है। इनको शादी-विवाह आदि सभी तरह की दिक्कतें आ रही हैं। इनके लिए जीवन और मरण का प्रश्न है। ये एक लाख 85 हजार लोग हैं। मैं आपके द्वारा सरकार से यह मांग करता हूं कि इनकी तनख्वाह बढ़ाई जाए और दूसरे शिक्षकों के बराबर की जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री ओम पवन राजेनिंबालकर (उस्मानाबाद): सर, मेरी एक रिक्वैस्ट है कि सुबह मेरा दूसरे नंबर पर क्वेश्चन लगा था तो मुझे थोड़ा सा ज्यादा टाइम दीजिए।

माननीय अध्यक्ष : नहीं।

… (व्यवधान)

श्री ओम पवन राजेनिंबालकर : सर, प्लीज समय दीजिए।

माननीय अध्यक्ष : आप कल बोल लीजिएगा। आपको केवल एक मिनट का समय दिया गया है।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अगर कोई माननीय सदस्य एक मिनट से ज्यादा बोले तो माइक बंद कर देना।